महत्वपूर्ण एवं खास

कलयुगी बेटे ने चार पहिया नही खरीदने पर पिता की कर दी जमकर पिटाई,मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। कलयुगी बेटे ने फोर व्हीलर गाड़ी नही खरीदने पर गाली-गलौच कर पाईप से पिता की पिटाई कर चोट पहुंचाया। मामले की रिपोर्ट मोवा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रगति नगर मोवा पण्डरी निवासी भरतलाल ठाकुर 64 वर्ष ने 3 जून को थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि बुधवार को रात 11.20 बजे प्रार्थी के बेटा मनमोहन सिंह 31 वर्ष चार पहिया वाहन खरीदने की जिद करने लगा। जिस पर प्रार्थी ने अभी पैसा नही है कहकर गाड़ी खरीदने से इंकार कर दिया इस पर वह गाली-गलौच करते हुए, जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का एवं पाईप से मारकर चोट पहुंचाया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294,506,427,323 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत, हाईवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से साइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो जाने की रिपोर्ट धरसींवा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार अमोदा नवागांव जांजगीर निवासी भुनेश्वर धीवर 33 वर्ष ने थाने शिकायत दर्ज करायी है कि प्रार्थी शारदा एनर्जी सिलतरा में मैकेनिकल इंजिनियर है। 2 जून को को शाम 6.30 बजे मीनू ढाबा के पास प्रार्थी का दोस्त राजू देवांगन 42 वर्ष पिता मोहितराम देवांगन जो मैकेनिकल इंजिनियर है,वह साइकल से ड्यूटी करके वापस घर जा रहा था तभी मीनू ढाबा सिलतरा के पास तेज रफ्तार हाईवा क्रमांक सीजी 15 डीआर 7700 का चालक पीछे से टक्कर मार दिया। इसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाईवा चालक गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कर भाग गया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने हाईवा चालक के खिलाफ धारा 279,304 ए के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

मौसम में आया बदलाव, राजधानी में हुई बारिश

रायपुर (आरएनएस)। मौसम का अचानक मिजाज बदल गया है। राजधानी रायपुर के कई इलाकों में झमाझम बारिश शुरु हो गई है। तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। गरियाबंद के कई इलाकों में बारिश हो रही है। यहां भी कई स्थानों पर झमाझम बारिश हो रही है। जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के कई जिलों में मौसम ने करवट ली है। बादल छाय रहने से तेज धूप से तो राहत मिली है लेकिन उमस बढ़ने से लोगों को काफी बैचेनी हो रही है।

निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत हितग्राहियों को मिला 2 लाख 50 हजार का लाभ

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजनांतर्गत आज संसदीय सचिव एवं रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने 04 दिव्यांग हितग्राहियों को 02 लाख 50 हजार का विवाह प्रोत्साहन राशि का चेक वितरित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। उपाध्याय ने आज अपने निवास में 04 दिव्यांग हितग्राहियों श्रीमती मोनिका कुशवाहा पति नीलेश कुशवाहा को 1,00,000 (एक लाख) एवं श्रीमती निधि ठाकुर पति कुलदीप सिंह ठाकुर, सोहिल गौतम पत्नी श्रीमती रविन्दर गौर तथा श्रीमती कविता साहू पति भोजेश्वर साहू प्रत्येक को 50,000 (पचास हजार) का पृथक-पृथक चेक वितरित किया। उपाध्याय ने सभी हितग्राहियों के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

लैंगिक समानता में छत्तीसगढ़ देश में टॉप पर, नीति आयोग ने (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स 2020-21 रिपोर्ट जारी की

रायपुर (आरएनएस)। नीति आयोग ने राज्यों की प्रगति संबंधी सतत विकास लक्ष्यों के लिए सूचकांक (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स 2020-21 रिपोर्ट जारी की है, जिसमें लैंगिक समानता में छत्तीसगढ़ टॉप स्टेट बना है। बता दें कि नीति आयोग की एसडीजी इंडिया इंडेक्स में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण के क्षेत्र में राज्यों की प्रगति के आधार पर उनके प्रदर्शन को आंका जाता है और उनकी रैंकिंग की जाती है। इस सूचकांक में ओवर आल रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने पिछली बार के मुकाबले अपने अंकों में भी सुधार किया है। वहीं, 16 लक्ष्यों में से एक लैंगिक समानता में सभी राज्यों को पीछे

छोड़ते हुये छत्तीसगढ़ ने बाजी मारी है।

छत्तीसगढ़ में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने व महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण संबंधी नीतियों को अपनाया गया है, जिसके लिए प्रदेश में कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही है। यही वजह है कि लिंगानुपात में भी छत्तीसगढ़ देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव, हिंसा को समाप्त करने का लक्ष्य बनाया है। प्रदेश में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक निर्णयों एवं नेतृत्व के समान अवसर व सहभागिता प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा सखी-वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नोनी सुरक्षा योजना, नवा बिहान योजना, सक्षम योजना, स्वावलंबन संबंधी योजनाएं चलाई जा रही है। वहीं, महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य में भूमि, संपत्ति आदि पर कानून के अनुसार महिलाओं का स्वामित्व एवं नियंत्रण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक व पोषण की स्थिति में सुधार लाने, उनके संवैधानिक हितों की रक्षा और उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सक्षम तथा जागरूक बनाने की दिशा में कई कार्य किये जा रहे हैं। राज्य सरकार ने आदिवासी समाज में मातृ-शक्ति को और सशक्त बनाने के लिए वनोपजों के कारोबार से महिला समूहों की 50 हजार से अधिक सदस्याओं को जोड़ने का फैसला लिया है। राज्य के 11 जिलों में ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और जागरुकता के लिए महिला शक्ति केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बराबर हिस्सेदारी रही है। छत्तीसगढ़ महिला कोष की ऋण योजना और सक्षम योजना भी राज्य की महिलाओं को सक्षम बनाने सफल रही है। महिला कोष के माध्यम से स्वसहायता समूहों और जरूरतमंद महिलाओं को ऋण उपलब्ध करवाकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं के कौशल विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए स्वालंबन और सक्षम योजनाएं चलाई जा रही हैं।

राज्य में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013, लैंगिक अपराधों से बच्चों के संरक्षण कानून, घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण कानून और छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम-2005 लागू है। महिलाओं और बालिकाओं को आपातकालीन सहायता के लिए प्रदेश में महिला हेल्पलाइन-181 की सेवा संचालित है। पीड़ित महिलाओं की सहायता के लिए प्रदेश के 27 जिलों में सखी सेंटर संचालित हैं जहां एक ही जगह पर सभी आवश्यक सुविधाएं दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में ब्लैक फंगस से मेडिकल अफसर की मौत

» मेकाहारा में चल रहा था इलाज

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ब्लैक फंगस के मामले लगातार बढ़ रहे है। इन बढ़ते मामलो में कुछ मरीजों की मौत भी हो चुकी है, वहीं इस बीमारी ने आज एक मेडिकल अफसर की भी जान ले ली, जिससे यहां हड़कंप मचा हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार मेडिकल अफसर डॉ. बीपी सोनकर को ब्लैक फंगस की शिकायत के बाद राज्य के सबसे बड़े सुपर स्पेशलिटी अस्पताल मेकाहारा में उपचार के लिए दाखिल किया गया था, जहां उनका निधन हो गया। वे शहर के पुलिस परिवार कल्याण चिकित्सालय के मेडिकल ऑफिसर के तौर पर पदस्थ थे। बताया जा रहा है कि डॉ. सोनकर ब्लैक फंगस से पहले कोरोना की चपेट में आए थे। कोरोना को हराने के बाद वे ब्लैक फंगस के चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि ब्लैक फंगस का असर उनके ब्रेन तक पहुंच गया था। डॉ. सोनकर का ऑपरेशन भी किया गया, लेकिन उनके स्वास्थ्य में किसी तरह का सुधार नहीं दिखा। अंततः उन्होंने आज दम तोड़ दिया। उनके निधन के बाद मेकाहारा में ब्लैक फंगस को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। कोरोना को हरा चुके और कोरोना से लड़ रहे लोगों में ब्लैक फंगस को लेकर भी खौफ देखने को मिल रहा है। प्रदेश में अब तक ब्लैक फंगस से कई मौतें हो चुकी है, वहीं कई मरीजों का इलाज चल रहा है। रायपुर के अलावा बिलासपुर के सिम्स में ब्लैक फंगस के मरीजों का इलाज चल रहा है।

बस्तर की बेटी नैना सिंह धाकड़ ने किया एवरेस्ट फतह

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी बधाई और शुभकामनाएं

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर की पर्वतारोही नैना सिंह धाकड़ द्वारा विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने नैना के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि नैना ने अपने दृढ़ संकल्प, इच्छाशक्ति तथा अदम्य साहस से विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी पर विजय प्राप्त कर अपनी इस उपलब्धि से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

नैना धाकड़ को माउंट एवरेस्ट

1 जून 2021 सुबह 9 बजे विश्व की ऊंची चोटी पर देश-प्रदेश के साथ बस्तर का परचम लहराया। नैना ने 9 दिनों में विश्व की 2 ऊंची चोटियों में भारत और राज्य का झंडा फहराया। नैना के लिए यह अभियान बेहद खास रहा क्योंकि मौसम खराब होने और एवलांच आने से जब अन्य पर्वतारोही ने हार मानकर वापस लौट आए फिर भी नैना ने अपने दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचने का कारनामा कर दिखाया। इस दौरान इनके साथ पर्वतारोहण पर निकले लोगो ने तो एक सबमिट भी नही किया पर जिद्दी नैना ने 2 सबमिट कर काठमाण्डू वापस पहुंच चुकी हैं।

टाकरागुड़ा बस्तर की रहने वाली बस्तर की बेटी नैना सिंह धाकड़ पिछले 10 सालों से माउंट एवरेस्ट पर फतह करने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले वे हिमालय की कई चोटियों पर भी चढ़ाई कर चुकी हैं। यही नहीं, भूटान में भी वे स्नो मैन ट्रैक में हिस्सा लिया, जिसमें वे एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बछेंद्री पाल की टीम में शामिल रहीं।

कलेक्टर रजत बंसल ने बताया कि नैना पिछली बार भी आर्थिक कारणों से एवरेस्ट के अभियान पर जाने से चूक गई थीं। इस बार मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर एनएमडीसी और जिला प्रशासन के सहयोग से नैना का सपना साकार हुआ और उन्होंने देश-प्रदेश के साथ बस्तर का नाम रोशन किया। 1 अप्रैल 2021 को वो एवरेस्ट को फतह करने के अभियान में जगदलपुर से निकली थी।

कोरोना महामारी के बाद देश अब महंगाई आपदा की चपेट में, जिसके जिम्मेदार सिर्फ मोदी सरकार-मोहन मरकाम

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सात वर्ष के कार्यकाल पर कई सवाल खड़े करते हुए कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में एक ओर कोविड-19 महामारी से लोग मर रहे है तो दूसरी ओर बेतहाशा महंगाई लोगों को मार रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में एक ओर जहां लोगों के रोजगार छूट गये है, व्यापारियों का व्यापार तबाह हो गया है। ऐसे हालातों में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, मिट्टी तेल से लेकर खाने के तेलों में बेतहाशा वृद्धि कर मोदी सरकार लोगों की जेबों पर डाका डलवाने का काम कर रही है। जिस तरह से देश में अब हालात बन रहे है उसके बाद कोरोना से जो बचेगा उसे महंगाई मार देगी।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष श्री मरकाम आज यहां राजीव भवन कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस लेते हुए कहा कि मोदी सरकार के 7 साल के कार्यकाल में हर वर्ष वस्तुओं के दाम दुगुने से अधिक हुये है। पेट्रोल और डीजल के दामों से लेकर रसोई गैस, दवाइयों के दाम, खाद्य तेलों के दाम, खाद्य पदार्थों के दाम, सड़क परिवहन, रेल यात्रा, खेती के उर्वरकों, सब्जियां आदि सभी के दाम दुगुने हुये। उन्होंने कहा कि एक तरफ खाद्य पदार्थों के दाम बढ़े, दूसरी ओर किसानों की आमदनी घटी, खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने का फायदा बिचौलियों को मिला किसानों को नहीं। खाद्य तेलों के बढ़े दामों को लेकर उन्होंने कहा कि देश में खाद्य तेल का सबसे बड़ा निर्माता मोदी के प्रिय गौतम अडानी है। आप समझ सकते है खाद्य तेल के दामों को बढ़ने का सबसे ज्यादा फायदा अडानी को हो रहा। एक तरफ तो महंगाई बढ़ी, दूसरी तरफ मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण लोगों की कमाई घटी, रोजगार के संसाधन घटे, नौकरियां गयी, नोटबंदी जीएसटी से व्यापार-व्यवसाय तबाह हुये। कोरोना जैसी महामारी में मोदी सरकार की अकर्मण्यता के कारण इलाज और दवाईयों में लोगों की जमा पूंजी, जमीन जायदाद खत्म हो गया। ऐसे में देश में कोरोना के बाद महंगाई भी राष्ट्रीय आपदा साबित होने जा रही है। क्योंकि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और मिट्टी तेल के दाम रोज बढ़ रहें है, रसोई पर बोझ अभी और बढ़ेगा। मरकाम ने मोदी सरकार के पिछले डेढ़ साल को लेकर कहा कि इस डेढ़ साल से भारत की जनता कोरोना महामारी की मार झेल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अदूरदर्शी और जनविरोधी नीतियों ने कोरोना की बीमारी के समय में जीवन को और कठिन बनाया है, चाहे वह अचानक किया हुआ लॉकडाउन हो, अस्पतालों से लेकर ऑक्सीजन तक का इंतजाम हो या फिर वैक्सीन की नीति, हर जगह नरेंद्र मोदी सरकार विफल दिखाई देती है।

छत्तीसगढ़ में तेजी से सुधर रहे कोरोना के आंकड़े

» स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या नए से दोगुनी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में अब तेजी से कोरोना के आंकड़े सुधर रहे है। प्रदेश में आज 1792 नये कोरोना मरीज मिले हैं। वहीं 40 लोगों की मौत हुई है। जबकि आज कुल 3244 मरीज कोरोना से स्वस्थ्य भी हुए हैं। अब प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या घटकर 31635 रह गयी है।

❐ जिलेवार मरीजों की संख्या- रायपुर- 94, दुर्ग- 36, राजनांदगांव- 33, बालोद- 30, बेमेतरा- 17, कवर्धा- 8, धमतरी- 66, बलौदाबाजार- 130, महासमुंद- 67, गरियाबंद- 32, बिलासपुर- 33, रायगढ़- 133, कोरबा- 69, जांजगीर- 166, मुंगेली- 20,, सरगुजा- 102, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही- 39, कोरिया- 99, सूरजपुर- 138, बलरामपुर- 66, जशपुर- 103, बस्तर- 53, कोंडागांव- 29, दंतेवाड़ा- 36, सुकमा- 90, कांकेर- 20, नारायणपुर- 20, बीजापुर- 60 और अन्य राज्य के 3 नए मरीज मिले हैं।

मॉं की मौत के बाद जमा रुपये में बटवारा नही मिलने पर छोटे भाई की कर दी हथौड़ा मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। मॉं की मौत के बाद खाते में जमा 70 रुपये में हिस्सा नही हिस्सा नही मिलने पर आरोपी ने कर दी अपने छोटे भाई की हथौड़े से मारकर हत्या कर दिया। घटना की सूचना पर कुम्हारी थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम ढाबा कुम्हारी निवासी श्रीमती रेशमी यादव 25 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि पीड़िता के सांस के खाते में जमीन बेचने के बाद 70 हजार रुपये जमा है एवं उसकी सांस का दो वर्ष पूर्व देहान्त हो गया है। जमा रुपये आपस में बराबर बाटने को लेकर उसके जेठ व पति में कई बार विवाद हो चुका था। पीड़िता का पति का कहना था

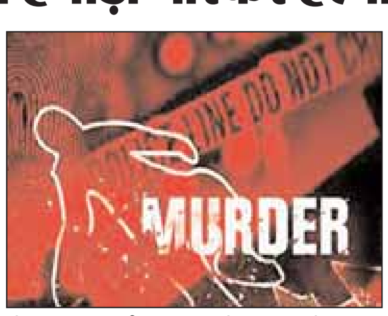

कि वह अपनी मॉं का क्रियाक्रम किया जिसमें उसका 50 हजार रुपये खर्च हुए है वह रकम काटने के बाद ही बटवारा हो। 1 जून को इसी बात को लेकर फिर दोनों भाईयों में विवाद हुआ जिसके कुछ देर बात रात 8 बजे जेठ लोकेश यादव 30 वर्ष अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौच कर मारपीट करने लगा। जिसके बाद उसकी जेठानी भागकर बच्चों के साथ उसके कमरे में घूस गई। जिसे बाहर निकालने कहकर आरोपी लोहे का हथौड़ा (घन) लेकर कमरे के बाहर आकर गाली-गलौच करने लगा। इस पर खाना खा रहे पीड़िता का पति रवि यादव ने अपनी भाभी को बाहर निकलने बोला तभी लोहे के हथौड़े से आरोपी ने हत्या करने की नियत से रवि के सिर पर तीन बार प्रहार किया। इस पर उसका पति लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गया व उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 302,323 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

चालू वर्ष में 99 लाख से अधिक पौधों का रोपण व 2.27 करोड़ पौधों का होगा वितरण- अकबर

» वन मंत्री ने राज्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर (आरएनएस)। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा राज्य में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 99 लाख 35 हजार 193 पौधों का रोपण किया जाएगा। इसका रोपण 187 किलोमीटर/13 हजार 905 हेक्टेयर रकबा में होगा। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा चालू वर्ष के दौरान 2 करोड़ 27 लाख पौधों के वितरण का लक्ष्य भी रखा गया है। राज्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए वन विभाग की समस्त 275 नर्सरियों में 284 प्रजातियों के लगभग 3 करोड़ 89 लाख पौधे वर्तमान में उपलब्ध हैं।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल बैठक में वृक्षारोपण कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव वन मनोज पिंगुआ, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक तपेश झा तथा कैम्पा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व्ही.श्रीनिवास राव मौजूद थे। इसके अलावा समस्त मुख्य वन संरक्षक तथा वनमंडलाधिकारी भी वर्चुअल बैठक में जुड़े हुए थे।

वन मंत्री अकबर ने बैठक में समस्त वन वृत्त तथा वनमंडलवार वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली और इसे सफल बनाने के लिए सभी वनमंडलाधिकारियों को कार्य योजना पर समयबद्ध ढंग से अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य में वृक्षारोपण कार्य का सही ढंग से मूल्यांकन हो सके, इसके लिए उन्होंने सभी डीएफओ को वृक्षारोपण के पहले और बाद की वीडियोग्राफी के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने इनमें सभी वनमंडलों में वृक्षारोपण कार्य के पहले तैयार गड्ढो के वीडियोग्राफी कार्य को 10 जून तक पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन के लिए वृक्षारोपण वाले चिन्हांकित जगहों पर नर्सरी से तैयार पौधों तथा आवश्यकतानुसार खाद आदि सामग्रियों को पहुंचाने का कार्य शीघ्रता से शुरू किया जाए। उन्होंने इस कार्य को 15 जून तक हर हालात में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान सड़क किनारे रोपित पौधों की सुरक्षा के उपायों के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

वन मंत्री अकबर ने बैठक में आगे समीक्षा करते हुए शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना' के राज्य में बेहतर ढंग से क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों, ग्राम पंचायतों तथा संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को लाभ दिलाने के लिए कहा।